an>

Title: Regarding situation arising due to rise in water level of rivers in the Country.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अध्यक्ष महोदया, आज देश के कई राज्यों में बाढ़ की भयावह स्थिति है। ...(व्यवधान) चाहे वह असम हो, जहां 70 लोगों की मौत हो चुकी है, चाहे गुजरात हो, उत्तराखण्ड हो, बंगाल हो, उत्तर प्रदेश हो।...(व्यवधान) इस संबंध में जो बाढ़ के पूर्व अनुमान होते हैं, वह केंद्रीय जल आयोग को बताना होता है कि इन राज्यों में बाढ़ आ सकती है। ...(व्यवधान) महोदया, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि अभी जो भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की जो रिपोर्ट आई है, उसमें यह है कि देश में बाढ़ के पूर्व अनुमानों को पहुंचाने के लिए सन् 2016 तक 375 टेलीमैट्री स्टेशन लगे थे, उनमें से 222 टेलीमैट्री स्टेशन खराब पड़े हुए हैं। ...(व्यवधान) उसके खराब होने के कारण आज बाढ़ का पूर्व अनुमान नहीं लगता है, जिससे बड़े पैमाने पर जनधन का नुकसान होता है और लोगों की जानें जाती हैं। ...(व्यवधान) उत्तर प्रदेश में आज नेपाल के बांध गंगा से या नेपाल की जो दूसरी नदियां हैं, महाव है या घरहई है, इसमें जिस तरह से पूर्वी उत्तर प्रदेश भारतनगर, बलरामपुर, बहराईच, लखीमपुर खीरी, महाराजगंज में बाढ़ की स्थिति है। उसी तरह से उड़ीसा में भी बाढ़ की स्थिति भयावह है। ...(व्यवधान) झारखण्ड में भी बाढ़ की स्थिति भयावह है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री रवीन्द्र कुमार जेना,

श्री आलोक संजर एवं

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री जगदम्बिका पाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।